वित्तीय वर्ष 2024 में मूल्य सृजन और प्रभाव

इनपुट

वित्तीय पूंजी

वैश्विक कारोबार: ₹20,56,784 करोड़
इक्विटी: ₹7,234 करोड़
परिचालन लाभ: ₹28,211 करोड़
जमा: ₹12,21,528 करोड़ (+₹1,03,812 करोड़)
कासा जमा: ₹4,80,000 करोड़
अग्रिम: ₹9,04,884 करोड़ (+₹94,979 करोड़)

विनिर्मित पूंजी

शाखाओं की संख्या: 8,464 (-113)
एटीएम की संख्या: 8,982 (-1,853)
डिजिटल बैंकिंग इकाइयाँ (डीबीयू): 7 (+2)

बौद्धिक पूंजी

आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम : 1,553 (+92)
एमएसएमई के लिए डिजिटल ऋण स्वीकृति
मोबाइल बैंकिंग : 2,68,39,583 (+55,37,573)
इंटरनेट लेनदेन : 84,79,859 (+7,66,778)

मानव पूंजी

कर्मचारियों की संख्या: 75,866
प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या: 1,582 से बढ़कर 1,829 हो गई
कुल प्रशिक्षण घंटे: 13,66,200 से बढ़कर 18,38,412 घंटे हो गये.
महिला कर्मचारियों का प्रतिशत: 28.82% से बढ़कर 29.14% हो गया.

प्राकृतिक पूंजी

जल खपत (किलोलीटर): 215,234 (+10,099)
ऊर्जा खपत (जीजे): 923,475 (+30,888)
उत्पन्न अपशिष्ट (टन): 11,278

सामाजिक पूंजी

सीएसआर खर्च: ₹22.87 करोड़ (+₹6.45 करोड़)
आपूर्तिकर्ताओं की संख्या: 132 (+2)
ग्राहकों की संख्या: 22.34 करोड़ (+0.67 करोड़)

भविष्य को सशक्त बनाना: ग्राहक, कार्मिक, समुदाय

भविष्य को सशक्त बनाना: ग्राहक, कार्मिक, समुदाय भारत के अग्रणी प्रगतिशील बैंकों में से एक के रूप में, हम अपने ग्राहकों को अपने प्रयासों के केंद्र में रखते हैं. हम अपने कर्मचारियों को प्रेरित करते हैं और उनकी क्षमता को उजागर करते हैं, जैसा कि वित्तीय वर्ष 2024 में 1,553 कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित 12,345 कर्मचारियों द्वारा प्रमाणित है. हमारे सभी प्रयास एक साझा दृष्टिकोण की ओर निर्देशित हैं: समुदायों को सशक्त बनाना, प्रगति की ओर उनकी यात्रा को बढ़ावा देना.

संवहनीयता को बढ़ावा देना

वित्तीय वर्ष 2024 में 1.03% की औसत आस्तियों पर रिटर्न प्रदान करते हुए, जो वित्तीय वर्ष 2023 में 0.69% से अधिक है, हम वैविध्यपूर्ण विकास और कम कार्बन अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं, जिसे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में स्वीकृत ₹23,059 करोड़ द्वारा समर्थन प्राप्त है.

हमारा मूल्य सृजन इंजन

हम जिन कारोबारी माहौल में परिचालन करते हैं, उसके बारे में अधिक जानने के लिए, **पृष्ठ 32** देखें

कारोबार मॉडल कैनवास,
पृष्ठ 56 देखें

मानव पूंजी के बारे में अधिक जानने के लिए ***पृष्ठ 160*** *देखें*

संबंध एवं सामाजिक पूंजी
पृष्ठ 148 देखें

बौद्धिक पूंजी
पृष्ठ 100 देखें

विनिर्मित पूंजी
पृष्ठ 68 देखें

वित्तीय पूंजीपृष्ठ
पृष्ठ 88 देखें

वृहत वित्तीय समाधान

चार खंडों में संगठित होकर, हम बचत, ऋण, बीमा, निवेश और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग में अपने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हुए बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं. एमएसएमई के लिए हमारे डिजिटल ऋण मंजूरी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024 में 55,365 खातों को संसाधित किया गया.

डिजिटल और संवहनीय भविष्य

अपने लोगों के लिए कार्य अनुभव को फिर से परिभाषित करने की प्रक्रिया में हमारे ग्राहक हमारे संचालन का केंद्र हैं. हम कम पूंजी मॉडल का पालन करते हैं, डिजिटलीकरण की शक्ति का उपयोग करते हुए अपनी कार्यनीति में संवहनीयता को एकीकृत करते हैं. व्योम ऐप ने ग्राहक जुड़ाव को काफी हद तक बढ़ाया है, वित्तीय वर्ष 2024 में मोबाइल बैंकिंग लेनदेन में वर्ष-दर-वर्ष 29% और इंटरनेट बैंकिंग लेनदेन में वर्ष-दर-वर्ष 9% की वृद्धि हुई है.

आउटपुट *(वित्तीय वर्ष 2024)*

वित्तीय पूंजी

शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई): ₹36,570 करोड़ (₹3,805 करोड़)
शुद्ध लाभ: ₹13,648 करोड़ (₹5,215 करोड़)
इक्विटी पर प्रतिफल (आरओई): 15.58% (+232 बीपीएस)
शुद्ध एनपीए अनुपात: 1.03% (-67 बीपीएस)
प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर): 92.69% (+235 बीपीएस)
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर): 16.97% (+93 बीपीएस)

विनिर्मित पूंजी

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की मंजूरी: ₹23,059 करोड़ (+₹12,689 करोड़)
ग्रीन माइल्स योजना में निवेश: ₹462 करोड़
कुल खुदरा ऋण: ₹177,488 करोड़
कुल एमएसएमई अग्रिम: ₹135,761 करोड़

बौद्धिक पूंजी

आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम: 1,553 कार्यक्रम, 12,345 कर्मचारी प्रशिक्षित.
एमएसएमई के लिए डिजिटल ऋण स्वीकृतियां: 55,365 खातों पर कार्रवाई की गई.
मोबाइल बैंकिंग उपयोग: लेनदेन में 29% वार्षिक वृद्धि.
इंटरनेट बैंकिंग उपयोग: लेनदेन में 9% वार्षिक वृद्धि.

मानव पूंजी

प्रति कर्मचारी कारोबार: ₹20.48 करोड़ से बढ़कर ₹23.14 करोड़ हो गया.
नेतृत्व विकास कार्यक्रम में 480 अधिकारियों ने भाग लिया .
वार्षिक स्वास्थ्य जांच और प्रसवपूर्व जांच योजनाएं प्रदान की गईं.

प्राकृतिक पूंजी

जीएचजी उत्सर्जन (स्कोप 1): 274,042 मीट्रिक टन
जीएचजी उत्सर्जन (स्कोप 2): 241,884 मीट्रिक टन
गैर-परंपरागत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन: 12,339 गीगाजूल

सामाजिक पूंजी

यूपीआई: 2.20 करोड़ (+0.09 करोड़)
नेट बैंकिंग: 82 लाख (+2 लाख)
मोबाइल बैंकिंग: 2.45 करोड़ (+0.15 करोड़)

आउटपुट *(वित्तीय वर्ष 2024)*

वित्तीय पूंजी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) ने अपनी बाजार स्थिति मजबूत की, जिसमें अग्रिम 11.73% बढ़कर ₹9,04,884 करोड़ हो गए और जमा 9.29% बढ़कर ₹12,21,528 करोड़ हो गए. बेहतर सीआरएआर (16.97%) और सीईटी1 अनुपात (13.65%) बढ़ी हुई वित्तीय स्थिरता का संकेत देते हैं. शुद्ध लाभ में 61.84% की वृद्धि के साथ लाभप्रदता बढ़ गई. आरओए 1.03% और आरओई 15.58% तक बढ़े हैं, जो कुशल परिसंपत्ति और इक्विटी उपयोग को दर्शाता है. प्रस्तावित ₹3.60 प्रति शेयर लाभांश शेयरधारकों के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. यूबीआई ने 1.03% का कुशल आरओए बनाए रखते हुए 75.65% का ऋण-जमा अनुपात प्राप्त किया हैं.

विनिर्मित पूंजी

शाखाओं और एटीएम में रणनीतिक कमी, डिजिटल बैंकिंग इकाइयों (डीबीयू) की स्थापना, और हरित परियोजनाओं में महत्वपूर्ण निवेश से संवहनीय विकास, लागत दक्षता और डिजिटल बैंकिंग, ग्राहक सुविधा में वृद्धि और आधुनिक बैंकिंग रुझानों के साथ संरेखण के प्रति यूबीआई की प्रतिबद्धता उजागर होता है. नवीकरणीय ऊर्जा, हरित पहल, खुदरा ऋण और एमएसएमई अग्रिमों में यूबीआई के पर्याप्त निवेश ने स्थिरता, छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए बढ़े हुए समर्थन और खुदरा बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है.

बौद्धिक पूंजी

व्योम ऐप ने ग्राहक जुड़ाव को काफी हद तक बढ़ाया है, मोबाइल बैंकिंग लेनदेन में वर्ष-दर-वर्ष 29% और इंटरनेट बैंकिंग लेनदेन में वर्ष-दर-वर्ष 9% की वृद्धि हुई है. डिजिटल ऋण समाधानों ने 55,365 एमएसएमई खातों को संसाधित किया, जिससे डिजिटल कारोबार में ₹8,300 करोड़ से अधिक की राशि जुटाई गई. 1,553 कार्यक्रमों और 12,345 कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के साथ कर्मचारी प्रशिक्षण में निवेश में वृद्धि, बौद्धिक पूंजी विकास के लिए यूबीआई की प्रतिबद्धता पर जोर देती है.

मानव पूंजी

कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि, महिला कर्मचारियों का उच्च प्रतिशत और प्रशिक्षण घंटों में पर्याप्त निवेश कार्यबल विकास और जुड़ाव के प्रति यूबीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. व्यापक कल्याण कार्यक्रमों में 100% भागीदारी कर्मचारी जुड़ाव और संतुष्टि को दर्शाते हैं. इसके अतिरिक्त, नवोन्मेषी मानव संसाधन प्रथाओं और प्रौद्योगिकी में नेतृत्व के लिए प्राप्त 20+ पुरस्कार यूबीआई के नवाचार और योगदान को उजागर करते हैं.

प्राकृतिक पूंजी

जीएचजी उत्सर्जन की निगरानी और प्रबंधन, गैर-परंपरागत नवीकरणीय ऊर्जा का पर्याप्त उपयोग, तथा कुशल संसाधन उपभोग, स्थिरता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति यूबीआई के सक्रिय दृष्टिकोण को उजागर करते हैं.

सामाजिक पूंजी

सीएसआर खर्च में वृद्धि और ग्राहक आधार में वृद्धि सामुदायिक विकास और वित्तीय समावेशन के प्रति यूबीआई के समर्पण को दर्शाती हैं. डिजिटल ग्राहकों में उल्लेखनीय वृद्धि वित्तीय समावेशन और ग्राहक संबंधों को बढ़ाने पर यूबीआई के फोकस को उजागर करती हैं.